



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 9, 1991 (फाल्गुन 18, 1912)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1991 (PHALGUNA 18, 1912)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	245	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों, और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	269	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	3	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	223
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	291	भाग III—खण्ड 2—मेट्रो कार्यालय द्वारा जारी की गई मेट्रो और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	291
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	449
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	गर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	31
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	भाग V—	
		अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को प्रकाशित करना, अनुपूरक	*

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolution issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	245	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii) Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	269	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	223
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	291	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	291
PART II SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	1
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	449
PART II SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private individuals and Private Bodies	31
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i) General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I-खण्ड 1
[PART I--SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1991

सं० 26-प्रेज-91--राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारी को उनकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री तीर्थ राम, (मरणोपरांत)
सूबेदार नं० 66477001,
29वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

मंड क्षेत्र में उपद्रवियों की उपस्थिति की सूचना प्राप्त होने पर, सीमा सुरक्षा बल की 29वीं बटालियन के कमांडेंट ने उप निरीक्षक गोरू राम और सूबेदार तीर्थ राम को इस कार्य के लिए तैनात किया कि उपद्रवियों के संश्लेष सहयोगी, निम्मा मजबी, जो जोतरन तारन के धुन गांव का निवासी था, पकड़ने के लिए वे एक गश्ती दल लेकर जायें। उप निरीक्षक गोरू राम, कान्स्टेबल झाईबर एम० ई० जार्ज और 3 अन्य कान्स्टेबलों के साथ सूबेदार तीर्थ राम निम्मा को पकड़ने के लिए धुन गांव को रवाना हुए। निम्मा अपने मकान में नहीं मिला और गांव धुन से अहली कला सीमा सुरक्षा बल चौकी को लौटते समय, एक सूचना देने वाले व्यक्ति से नवीनतम सूचना एकत्र करने के लिए यह दल हाजीपुर गांव गया।

28 जून, 1989 को रात्रि के लगभग 9.30 बजे सीमा सुरक्षा बल को लेजा रही जीप जब गांव हाजीपुर बूला के नजदीक अहली कला पहुंची तो झाईबर ने धूमि भोज, जो लगभग 10 फुट ऊंचा था, पर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त सड़क से गुजरने के लिए गाड़ी को धीमा किया। सड़क के किनारे झाड़ियों में छिपे हुए उपद्रवियों ने आधुनिकतम हथियारों से गोली चलानी शुरू कर दी। उपद्रवियों द्वारा चलाई गई गोली की पहली बौछार सूबेदार तीर्थ राम और उप निरीक्षक गोरू राम के बाएं ओर से घुटने के जोड़ के समीप पैर में लगी जिससे वे बुरी तरह से जखमी हो गए। दोनों झाईबर के साथ बैठे हुए थे। कान्स्टेबल (झाईबर) जार्ज को भी छरों से बाहिर कान में चोट आई और वह जीप पर से अपना नियंत्रण खो बैठा क्योंकि सामने की बाइक के कि हवा निकल गई और छरों से डीजल की टंकी भी क्षतिग्रस्त हो गई। झाईबर जार्ज ने बेक लगाकर जीप को नियंत्रित किया और जीप को बाहिर तरफ घुमाया जिससे जीप में बैठे हुए अन्य व्यक्तियों को चोटें न लग सकें। सूबेदार तीर्थ राम ने, जिनके जखम से बहुत खून बह रहा था, उपद्रवियों पर गोली चलानी शुरू कर दी और एक कान्स्टेबल को जखमी टांग में तोलिया बांधने के लिए कहा। वे उपद्रवियों पर गोली चलाते रहे और दल के अन्य सदस्यों को भी निर्देश दिया कि गोला-बारूद का प्रयोग सोच-समझ कर करें जिससे गोला-बारूद समाप्त न हो। सूबेदार तीर्थ राम ने सुल्तानपुर लोधी स्थित कम्पनी हौड क्वार्टर को फोटो कोन द्वारा छान के बारे में भी सूचना भेजी और कुमुक भेजने के लिए कहा। वे अपनी कारबाही से गोली चलाते

रहे और तब तक आने जवानों द्वारा की जा रही गोलीबारी की कार्रवाई का नेतृत्व करते रहे जब तक वे बेहोश नहीं हुए। उप निरीक्षक गोरू राम, जिनका पैर उपद्रवियों के छरों से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त था भी उपद्रवियों पर तब तक गोली चलाते रहे जब तक वे अचेत होकर नहीं गिर गए। जब उप निरीक्षक गोरू राम अचेत हो गए तब कान्स्टेबल झाईबर जार्ज ने उनकी कारबाही उठाई और उपद्रवियों पर गोली चलानी शुरू कर दी।

गोली बारी की आवाज सुनकर अहली कला पर स्थित सीमा सुरक्षा बल चौकी ने एक गश्ती दल तुरंत गोली बारी की दिशा की ओर भेजा। वे घटनास्थल पर पहुंचे और श्री तीर्थ राम, श्री गोरू राम और श्री एम० ई० जार्ज को बचाकर सिविल अस्पताल सुल्तानपुर लोधी में गए। बाद में श्री तीर्थ राम और श्री गोरू राम अस्पताल में जखमों के कारण वीरगति को प्राप्त हुए। उपद्रवी झेंडरे और झाड़ियों का लाभ उठाकर बच निकलने में सफल हो गए।

इस घटने में श्री तीर्थ राम, सूबेदार ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 जून, 1989 से दिया जाएगा।

सं० 27-प्रेज/91--राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री गोरू राम, (मरणोपरांत)
उप निरीक्षक नं० 66104115
29वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।
श्री एम० ई० जार्ज,
कान्स्टेबल नं० 85788060,
29वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

मंड क्षेत्र में उपद्रवियों की उपस्थिति की सूचना प्राप्त होने पर, सीमा सुरक्षा बल की 29वीं बटालियन के कमांडेंट ने उप निरीक्षक गोरू राम और सूबेदार तीर्थ राम को इस कार्य के लिए तैनात किया कि उपद्रवियों के संश्लेष सहयोगी निम्मा मजबी को, जो तरन तारन के धुन गांव का निवासी था, पकड़ने के लिए वे एक गश्ती दल लेकर जायें। उप निरीक्षक गोरू राम कान्स्टेबल, झाईबर एम० ई० जार्ज और अन्य 3 कान्स्टेबलों के साथ सूबेदार तीर्थ राम निम्मा को पकड़ने के लिए धुन गांव को रवाना हुए। निम्मा अपने मकान में नहीं मिला और गांव धुन से अहली कला सीमा सुरक्षा बल चौकी को लौटते समय एक सूचना देने वाले व्यक्ति से नवीनतम सूचना एकत्र करने के लिए यह दल हाजीपुर गांव गया।

28 जून, 1989 को रात्रि के लगभग 9.30 बजे सीमा सुरक्षा बल को ले जा रही जीप जब गांव हाजीपुर बुला के नजदीक अहली कला पहुंची तो ड्राईवर ने थूसी मोड़ जो लगभग 10 फुट ऊंचा था, पर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त सड़क से गुजरने के लिए गाड़ी को धीमा किया। सड़क के किनारे झाड़ियों में छुपे हुए उग्रवादियों ने आधुनिकतम हथियारों से गोली चलाती शुरू कर दी। उग्रवादियों द्वारा चलाई गई गोली की पहली मोछार सूबेदार तीर्थ राम और उप निरीक्षक गोरू राम के बाएं और घुटने के जोड़ के समीप पैर में लगी जिससे वे बुरी तरह से जखमी हो गए। दोनों ड्राईवर के साथ बैठे थे। कान्स्टेबल (ड्राईवर) जार्ज को भी छरों से दाहिने कान में चोट आई और वह जीप पर से अपना नियंत्रण खो बैठे क्योंकि सामने की बायें बल्ब की हवा निकल गई और छरों से डीजल कीट की भी क्षतिग्रस्त हो गई। ड्राईवर जार्ज ने ब्रेक लगाकर जीप को नियंत्रित किया और जीप को दाहिनी तरफ घुमाया जिससे जीप में बैठे हुए अन्य व्यक्तियों को चोट न लग सकी। सूबेदार तीर्थ राम ने, जिनके जखम से बहुत खून बह रहा था, उग्रवादियों पर गोली चलाती शुरू कर दी और एक कान्स्टेबल को जखमी टांग में तोलिया बांधने के लिए कहा। वे उग्रवादियों पर गोली चलाते रहे और दल के अन्य सदस्यों को भी निर्देश दे दिया कि गोला-बारूद का प्रयोग सोच-समझ कर करें जिससे गोला बारूद समाप्त न हो। सूबेदार तीर्थ राम ने सुल्तान पर लोभी स्थित कम्पनी हेड क्वार्टर को फोटो फोन द्वारा बात के बारे में भी सूचना भेजी और कुमुक भेजने के लिए कहा। वे अपनी कारबाही से गोली चलाते रहे और तब तक अपने जवानों द्वारा की जा रही गोलीबारी की कार्रवाई का नेतृत्व करते रहे जब तक वे बेहोश नहीं हुए। उप निरीक्षक गोरू राम, जिनका पैर उग्रवादियों के छरों से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त था, भी उग्रवादियों पर तब तक गोली चलाते रहे जब तक वे अचेत होकर नहीं गिर गए। जब उप निरीक्षक गोरू राम अचेत हो गए तब कान्स्टेबल (ड्राईवर) जार्ज ने उनकी कारबाही उठाई और उग्रवादियों पर गोली चलाती शुरू कर दी।

गोली बारी की आवाज सुनकर अहली कला पर स्थित सीमा सुरक्षा बल चौकी ने एक गस्ता दल तुरन्त गोली बारी की विज्ञा की और भेजा। वे घटनास्थल पर पहुंचे और श्री तीर्थ राम, श्री गोरू राम और श्री एम० ई० जार्ज को बचाकर सिविल अस्पताल, सुल्तानपुर लोधी ले गए। बाव में श्री तीर्थ राम और श्री गोरू राम अस्पताल में जखमों के कारण बीर गति को प्राप्त हुए। उग्रवादी भ्रंशे और झाड़ियों का लाभ उठाकर अचानक निकलने में सफल हो गए।

इस मुठभेड़ में गोरू राम, उप निरीक्षक और श्री एम० ई० जार्ज, कान्स्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 जून, 1989 से दिया जाएगा।

सं० 28-प्रेज/91—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निर्मांकित अधिकारियों को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बजेन्द्र सिंह,
कान्स्टेबल सं० 873622644,
113 वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

20/21 जनवरी, 1990 की मध्य रात्रि को लगभग 0245 बजे फाजिल्का जाने के एक अमीरा जीक पर नाका नं० 6 के कमान्डर ने कुछ घुसपैठियों को घूमने हुए देखा। उन्होंने तुरन्त अपने जवानों और बगल के नाका दलों को सावधान किया और घुसपैठियों को ठीक स्थान का पता

नाने के लिए सर्वे लाइट जलाया और देखा कि तीन उग्रवादी छुपने के लिए गेहूं की फसल में भाग रहे थे। यह जानने पर कि उन्हें देखा लिया गया है, घुसपैठियों ने नाका दल पर गोलियों चलाई। नाका दल ने भी अपने बचाव में घुसपैठियों पर गोलीया चलाई। उसी समय पाक रजस ने भी सीमा पार से घुसपैठियों की मदद के लिए नाका दल पर गोलीया चलाती शुरू कर दी। इस कार्रवाई के दौरान दो घुसपैठिए भंघरे का लाभ उठाकर बचकर पाकिस्तान भागने में सफल हो गए और तीसरे घुसपैठिए ने भारतीय क्षेत्र में नाका नं० 6 और 7 की बीच गेहूं के खेत में मोर्चा लिया। तब तीसरे घुसपैठिए ने दोनों नाका दलों पर गोली चलाती शुरू कर दी, इस प्रकार नाका दल पाक रजस और घुसपैठिया, जिसने गेहूं के खेत में मोर्चा सम्भाला था, दोनों ओर से हो रही गोली बारी में फंस गए।

इसी बीच, कान्स्टेबल बजेन्द्र सिंह ने स्थिति का जायजा लिया और दोनों ओर से हो रही गोली-बारी में फंसे हुए लोगों को इस स्थिति से निकालने के लिए उन्होंने रेंगना शुरू किया और घुसपैठिए के मोर्चे के समीप पहुंचे। उन्होंने घुसपैठिए पर गोली चलाई और उसे जखमी कर दिया। इसके बावजूब जखमी घुसपैठिया नाका दल पर गोली चलाने के योग्य था। दोनों ओर से गोली बारी लगातार 0545 बजे तक जारी रही। अन्त में, कान्स्टेबल बजेन्द्र सिंह द्वारा उग्रवादी मारा गया। मृतक उग्रवादी को बाव में मोहिन्दर सिंह उर्फ मिखरी के रूप में पहचाना गया।

इस मुठभेड़ में श्री बजेन्द्र सिंह, कान्स्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 जनवरी, 1990 से दिया जाएगा।

सं० 29-प्रेज/91—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निर्मांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री एम० एस० चौहान,
उप-कमान्डेंट,
48वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री शरम सिंह,
सूबेदार नं० 66010109,
सीमा सुरक्षा बल "जो" दल,
अमृतसर।

श्री लाल दीन,
हेड कान्स्टेबल नं० 86466236,
48वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री बलबीर सिंह,
कान्स्टेबल नं० 83021009,
48वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

दिनांक 25/26 अक्टूबर, 1989 की रात को इस आशय की निविष्ट सूचना प्राप्त हुई कि आलंकवादियों का एक समूह पाकिस्तान की ओर से भारत में घुसपा। घुसपैठियों को पकड़ने के लिए चार नाका दल बनाए गए।

25 अक्टूबर, 1989 की रात करीब 10.00 बजे, देखा गया कि पाकिस्तान की ओर से दो घुसपैठिए, दोनों नाका दलों ने जहां पर मोर्चा सम्भाला था, उनके बीच के स्थान से आ रहे हैं। जब वे नाका दलों से

करीब 20-25 मीटर की दूरी पर थे तो उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए सलकारा गया परन्तु घुसपैठिए तुरन्त भूमि पर लेट गए और माका बलों पर गोली चलानी आरम्भ कर दी। 46वीं बटालियन के उप-कमांडेंट श्री एम० एस० चौहान ने अपने दल के सदस्यों को जवाब में गोली चलाने का निर्देश दिया। भली-भांति प्रशिक्षित आतंकवादियों ने ऊंची-नीची भूमि और घने सरकंडों का अच्छा लाभ उठाते हुए अपनी एसाल्ट राईफलों से गोलियों का जवाब दिया। दोनों ओर से लगभग एक घंटे तक गोली-बारी होती रही। उसके बाद आतंकवादियों की ओर से गोली-बारी रुक गई। ऐसा प्रतीत हुआ कि कार्रवाई समाप्त हो चुकी है तथा सम्भवतः आतंकवादियों को गम्भीर चोटें पहुँची हैं। उप-कमांडेंट श्री एम० एस० चौहान, निरीक्षक शरम सिंह और हैड कान्स्टेबल लाल दीन के साथ उस आतंकवादी की ओर गए जो दाईं ओर से गोली-बारी कर रहा था। अपनी जान को एक बड़े खतरे में डालने का जोखिम उठाते हुए वे आतंकवादी के निकट गए। जब वे आतंकवादी से कुल 10-15 फिट की दूरी पर थे, तो जिस आतंकवादी को मृत समझा गया था उसने उन पर गोलियाँ चलाई। सर्वश्री एम० एस० चौहान, शरम सिंह और लाल दीन ने एक साथ आतंकवादी पर गोलियाँ चलाई और उसको मार डाला।

इस बीच, कान्स्टेबल दलबीर सिंह, जो अन्य नाका दल में थे, माका पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ दूसरे आतंकवादी की ओर बढ़े जो उन पर दाईं ओर से गोलियाँ चला रहा था। जब वे आतंकवादी के निकट पहुँचे तो उसने नाका दल पर गोलियाँ चलानी आरम्भ कर दी। कान्स्टेबल दलबीर सिंह उस आतंकवादी की ओर बढ़े जो नाका दल पर लगातार गोलियाँ चला रहा था, उन्होंने आतंकवादी पर अपनी कारबाहन से गोली चलाई और उसे मार डाला। दोनों मृत आतंकवादियों की बाव में दलमिंदर सिंह और गुरदीप सिंह के रूप में पहचान की गई।

इस मुठभेड़ में श्री एम० एस० चौहान, उप-कमांडेंट, श्री शरम सिंह, सूबेदार, श्री लाल दीन, हैड-कान्स्टेबल और श्री दलबीर सिंह, कान्स्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस-पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 25 अक्टूबर, 1989 से दिया जाएगा।

सं० 30-प्रेज/91—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस-पदक सहित प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री गौर चांद दाम, (मरणोपरांत)
लान्स नायक नं० 70711006,
69वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री रावण कुमार (मरणोपरांत)
कान्स्टेबल नं० 87005283,
69वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री बलराज सामी राजू,
कान्स्टेबल नं० 04102232,
69वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री केशर सिंह,
कान्स्टेबल नं० 87332500,
69वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री मोहन सिंह,
कान्स्टेबल नं० 86322293,
69वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदके प्रदान किया गया

6/7 सितम्बर, 1989 की मध्य रात्रि को लगभग 7.00 बजे एक नाका दल, जिसमें एक हैड-कान्स्टेबल, लान्स नायक गौर चांद दाम, कान्स्टेबल रावण कुमार, श्री एम० राजू, केशर सिंह, श्री मोहन सिंह शामिल थे, श्री सी० बी० पर स्थित पुल जो टी० जे० सिंह गांव को जाती है, पर नाका मोर्चा सम्भालने के लिए टी० जे० सिंह बहादुरी सीमा चौकी को रवाना हुआ। रात्रि के लगभग 7.50 बजे जैसे ही नाका दल ने पुल पार किया उस पर उपवादियों ने स्वचालित हथियारों से गोलियाँ चलाई। इस समय श्री गौर चांद दाम और श्री रावण कुमार नाका दल का नेतृत्व कर रहे थे। यद्यपि दोनों लोग गम्भीर रूप से जखमी थे और काफी खून बह रहा था फिर भी उन्होंने उपवादियों को तब तक व्यस्त रखा जब तक वे अपने जख्मों के कारण वीरगति को नहीं प्राप्त हुए।

नेतृत्व कर रहे दल के पीछे चल रहे श्री सी० एस० राजू और श्री केशर सिंह, पेट में छरी लगने से जखमी हो गए फिर भी उन्होंने संतुलन नहीं खोया और तुरन्त अपनी एस० एल० आर० से उपवादियों पर गोलियाँ चलाई। उन्होंने उपवादियों को उलझाये रखा और उन्हें नाका दल पर गोली चलाने से रोके रखा। कान्स्टेबल मोहन सिंह, जो नेतृत्व कर रहे दल के पीछे था, ने भी गोली की आवाज सुनकर पुल की ओर से मोर्चा सम्भाला और अपने एस० एल० आर० से प्रभावी कार्रवाई करके उपवादियों को उलझाए रखा। जिसके परिणामस्वरूप उपवादी सामना नहीं कर सके और क्षेत्रों में बच कर निकल गए। दोनों जखमी कान्स्टेबल उपचार के लिए एम० जी० टी० बी० अस्पताल, अमृतसर रवाना हुए।

इस मुठभेड़ में श्री गौर चांद दाम, लान्स नायक श्री रावण कुमार, श्री बलराज सामी राजू, श्री केशर सिंह और श्री मोहन सिंह, कान्स्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस-पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 सितम्बर, 1989 से दिया जाएगा।

सं० 31-प्रेज/91—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस-पदक सहित प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री लवकेश बहादुर सिंह,
कान्स्टेबल नं० 87001399,
73वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

7/8 फरवरी, 1989 की मध्य रात्रि को सीमा सुरक्षा बल की 73वीं बटालियन की सीमा चौकी भगसार, जो एक नाकाबंदी दल ने जिसमें 3 कान्स्टेबल तथा एक होम गार्ड स्वयं सेवक था (लवकेश बहादुर सिंह, कान्स्टेबल सहित) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से भारतीय क्षेत्र के अन्तर लगभग 250 गज की दूरी पर नाकेबंदी की। 8 फरवरी, 1989 को रात्रि के लगभग 1.35 बजे कान्स्टेबल लवकेश बहादुर सिंह जो उस समय बहादुरी से भरी

पर सेनात था ने पास के सरसों के खेत में से अपनी तरफ भागे कुछ व्यक्तियों को आहूट सहसूस की। रात बहुत अँधेरी थी और कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा था। श्री लवकेश बहादुर सिंह चुपचाप, आँखें गड़ाए खड़े थे और उनकी धीरे-धीरे आ रहे व्यक्तियों की गतिविधि पर तब तक कान लगाए रहे जब तक कि उन्हें उनकी छाया दिखाई नहीं दी। उन्होंने घुसपैठियों को दक जाने और अपनी पहचान बताने को कहा। परन्तु घुसपैठिए ने तत्काल उन पर एक गोली चला दी जो उनके सिर के बालों को रगड़ते हुए निकल गई। इससे श्री लवकेश बहादुर सिंह घबराए नहीं और उन्होंने अपनी राइफल से एक राउन्ड गोली चलाई जो अपराधी को बाएँ हाथ में जाकर लगी। इसने में अपराधी ने अपनी सुरक्षा के लिए छलांग लगा दी। अपनी जान की परवाह किए बिना वह अपराधी का पता लगाने खाते बढ़े। अपराधी द्वारा उन पर गोली चलाए जाने के बावजूद भी उन्होंने उसका पीछा किया। उन्होंने अपराधी पर दूसरी गोली चलाई जिससे वह घटनास्थल पर ही मारा गया। जांच-पड़ताल करने पर पता चला कि अपराधी मुश्किलीन पाकिस्तानी जासूस था।

इस मुठभेड़ में श्री लवकेश बहादुर सिंह, कान्स्टेबल ने उत्कृष्ट धीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पब्लिक पुलिस पब्लिक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष श्रेष्ठता अर्जत की दिनांक 8 फरवरी, 1989 से दिया जाएगा।

ए० के० उपाध्याय, निदेशक

लोक सभा सचिवालय

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी समिति शाखा)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 जनवरी 1991

सं० 6/3/एच० टी० सी०/91—अध्यक्ष महोदय ने श्री माधवराव सिधिया, संसद सदस्य को डा० शशीलुरहमान के मंत्री नियुक्त होने पर, समिति का सदस्य और सभापति न रहने के कारण, उनके स्थान पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी समिति (1990-91) का सभापति नियुक्त किया है।

सं० 6/3/एच० टी० सी०/91—अध्यक्ष महोदय ने श्री बालगोपाल मिश्रा, संसद सदस्य को डा० शशीलुरहमान के मंत्री नियुक्त होने के कारण, समिति का सदस्य न रहने पर, उनके स्थान पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी समिति का सदस्य मनोनीत किया है।

जे० जी० रामचंद्रानी, संयुक्त निदेशक

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 जनवरी 1991

शुद्धि-पत्र

सं० यू०-13019/1/90-ए० एच० एल०—इस मंत्रालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15 अक्टूबर, 1990 के सं० (V) में उल्लिखित नाम कण्ठन (संज्ञा-निवृत्त) प्यारा सिंह के स्थान पर श्रीमती बाई० गांधी पढ़ा जाए।

प्रकाश चन्द्र, निदेशक
(सी० पी० एच०)

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1991

संकल्प

सं० 6/4/90-ई० पी० जेड—इस मंत्रालय के समसंख्यक संकल्प दिनांक 12 जून, 1990 के क्रम में भारत सरकार फाल्गुन नियमित संसाधन क्षेत्र की संसाधन-कार समिति के सदस्य के रूप में भारतीय वाणिज्य मंडल, कलकत्ता के प्रतिनिधि को एतद्वारा शामिल करती है।

सदस्य से सम्बन्धित प्रश्न वही रहेंगे जो दिनांक 12 जून, 1990 के समसंख्यक संकल्प में भी गई हैं।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति मंत्रिमंडल सचिवालय संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रीय सचिवालय, भारत के निर्यात एवं मूल्यलेखा परीक्षक तथा पश्चिमी बंगाल सरकार को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जवाहर सरकार, निदेशक

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन तथा वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली-3, दिनांक 3 फरवरी 1991

शुद्धि-पत्र

सं० 6/4/89-वन्यजीव-I—भारतीय वन्यजीव बोर्ड के पुनर्गठन के सम्बन्ध में इस मंत्रालय के दिनांक 28-1-1991 के संकल्प संख्या 6-4/89-वन्यजीव-I में क्रम सं० 11(क) के अन्तर्गत निम्नलिखित पढ़ा जाए।

क्रम सं० 11(क) सदस्य—अध्यक्ष, इट्टी विवाडट क्लबल्टी।

र० राजामणि, सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1991

संकल्प

सं० फा० 3-27/84-सी० एच०-5—इस विभाग के दिनांक 12 सितम्बर, 1985 के संकल्प संख्या एक 3-27/84-सी० एच०-5 में अंगित संशोधन करते हुए, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली की परामर्शदात्री समिति में निम्न-लिखित सदस्य के स्थान पर नीचे दिए गए नाम वाले व्यक्ति को रखा जाए।

क्रम सं० वर्तमान सदस्य सदस्य, जिसे रखा जाएगा

8 श्री रणजीत सिंह श्री कपिल देव शास्त्री
गायकबाड़ संसद सदस्य, लोक सभा

आदेश

आदेश दिया जाता है कि जन-साधारण की सूचना के लिए संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

रमेश चन्द्र शिपाठी,
संयुक्त सचिव

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1991

लिपिक श्रेणी परीक्षा (समूह "घ" कर्मचारियों के लिए), 1991

नियम

सं० 9/2/91-के०से० (II)—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) के ग्रेड-VI के अवर श्रेणी ग्रेड, संसदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में नियमित रूप से नियुक्त ग्रुप "घ" कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थायी रिक्तियों को भरने के प्रयोजन से, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, के कर्मचारी चयन आयोग, द्वारा सन् 1991 में ली जाने वाली कर्कर ग्रेड परीक्षा (समूह "घ" कर्मचारी), 1991 अर्हक परीक्षा के निम्न संस्थापन की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रविष्ट किए जाएंगे वे निम्नलिखित सेवाओं की रिक्तियों में पात्र होंगे :—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, यदि वे केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में नाम लेने वाले मंत्रालय/कार्यालय में कार्य कर रहे हैं।
- (ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, यदि वे सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तःसेवा संगठनों में नियुक्त हैं,
- (iii) भारतीय विदेश सेवा का ग्रेड-VI यदि वे विदेश मंत्रालय या विदेश में इसके दूतावासों में नियुक्त हैं, और
- (iv) संसदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी की जाने वाली विज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट की जाएगी।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संस्थापन इन नियमों के परिशिष्ट में विहित विधि से किया जाएगा। किस तारीख और किन-किन स्थानों पर परीक्षा ली जाएगी इसका निश्चय आयोग द्वारा किया जाएगा।

4. कोई भी स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी ग्रुप "घ" कर्मचारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—

1. सेवा अधि—उसने (i) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मंत्रालयों/कार्यालयों में अथवा (ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय और/अथवा सेवा संगठनों अथवा (iii) विदेश मंत्रालय अथवा विदेशों में इसके दूतावासों अथवा (iv) संसदीय कार्य विभाग में अवर श्रेणी लिपिक के पदों में ग्रुप "घ" कर्मचारी के रूप में अथवा किसी उच्चतर ग्रेड में 1 अगस्त, 1991 को कम से कम 5 वर्ष की अनुसूचित तथा लगातार सेवा की हो।

टिप्पणी 1 : 5 वर्ष की अनुमोदित एवं लगातार सेवा की सीमा तब भी लागू होगी, यदि उम्मीदवार की कुल गिनती की जाने वाली सेवा आंशिक रूप में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी मंत्रालय अथवा किसी कार्यालय में अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले किसी कार्यालय में ग्रुप "घ" कर्मचारी के रूप में और आंशिक रूप से अन्यत्र उसके समकक्ष या उच्चतर ग्रेड में या विदेश मंत्रालय में और विदेशों में इसके दूतावासों अथवा संसदीय कार्य विभाग में ग्रुप "घ" कर्मचारी के रूप में हो।

टिप्पणी 2 : जो ग्रुप "घ" कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संबंधित बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, वे अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे, जो ग्रुप "घ" कर्मचारी संबंधित बाह्य पद पर नियुक्ति किया गया है अथवा स्थानांतरण पर अन्य सेवा में है और फिलहाल ग्रुप "घ" के पद पर उसका ग्रहणाधिकार बना हुआ है वह भी अन्यथा पात्र होने पर परीक्षा में बैठने का पात्र है।

II. आयु—वह 1 अगस्त, 1991 को 50 वर्ष की आयु से अधिक का नहीं होना चाहिए अर्थात् 2 अगस्त, 1941 से पहले उसका जन्म न हुआ हो। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिमजाति का है तो उपर्युक्त निश्चित आयु सीमा में अधिक से अधिक 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है।

ऊपर बताई गई स्थितियों को अलावा निर्धारित आयु-सीमा में किसी हाजिर में छूट नहीं दी जा सकती।

III. शैक्षणिक अर्हता :— भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विभाग मन्त्रालय के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता है, वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास होनी चाहिए।

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसके पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी अर्हक परीक्षा में बैठने का अधिकार कर रहा है। वह बाकी की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2 : कुछ विशिष्ट मामलों में जहां कि उम्मीदवार के पास उचित विधियों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उक्त स्तर तक अर्हता प्राप्त है जो उस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

6. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है,
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य ताछन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों की बिनाइया गया हो, अथवा
- (v) झूठ या झूठे दस्तावेज दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपयोग का सहारा लिया है, अथवा

- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में किसी अन्य प्रकार का दुर्व्यवहार करना, अथवा
- (ix) परीक्षाओं के संचालन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त किए गए कर्मचारियों को परेशान करना अथवा शारीरिक क्षति/चोट पहुंचाना, अथवा
- (x) उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की अनुमति संबंधी उनके प्रवेश पत्र के साथ जारी किए गए किसी अन्य आवेदन का उल्लंघन करना, अथवा
- (xi) पूर्ण उक्त धाराओं में उल्लिखित सभी अथवा कोई एक आचरण करने का प्रयास करना अथवा यथा शक्ति उसकी अभिप्रेक्षित करना।

फीजदारी मुकदमें का भागी होने के अतिरिक्त उस पर निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—
- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वंचित किया जा सकता है, और
- (ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

8. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

9. परीक्षा के बाद आयोग, प्रत्येक संबंधित संवर्ग प्राधिकारी को इस परीक्षा में भाग लेने वाले उन उम्मीदवारों के नामों की अलग से सिफारिश करेगा जो आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए अर्हक मानक प्राप्त करेंगे। उन उम्मीदवारों के नाम जिन्हें कर्मचारी चयन आयोग द्वारा परीक्षाओं के आधार पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया जाता है उनका नाम एकल सूची में उनकी वरिष्ठता के आधार पर उनके मूल समूह "ब" पदों में रखा जाएगा उच्च श्रेणी में पद धारण करने वाले कर्मचारी निम्न श्रेणी के कर्मचारियों से वरिष्ठ होंगे। संवर्ग प्राधिकारी अपने द्वारा इस संबंध में बनाए गए नियमों/विनियमों के अनुसार धरी जाने वाली निर्णित की गई रिक्तियों पर उनकी नियुक्ति करने के कदम उठावेंगे।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए। और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित चिकित्सा परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की चिकित्सा की परीक्षा की जाएगी जिनके बारे में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी :— बिकलांग भूतपूर्व रक्षा सेवाओं के कामियों के मामले में रक्षा सेवाओं के सैन्य विपटन चिकित्सा बोर्ड द्वारा दिया गया प्रमाण-पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

11. इस परिणाम के आधार पर की जाने वाली सभी नियुक्तियों के साथ एक शर्त यह होगी कि यदि उम्मीदवार के सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान अथवा अधीनस्थ सेवा आयोग

द्वारा ली गई अंग्रेजी या हिन्दी की कोई आवर्ती टंकण परीक्षा पहले ही पास न हो तो यह नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संचालित अंग्रेजी में 30 शब्द अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति से ऐसी परीक्षा पास करेगा। ऐसा न करने पर जा तक वह परीक्षा पास नहीं कर लेता तक उसे अधिक वेतन वृद्धि (वृद्धियाँ) नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा की अवधि में उक्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो उसे अब श्रेणी लिपिक ग्रेड में नियुक्त करने से पूर्व मूल नियुक्ति पर अथवा अस्थाई पद पर लौटा दिया जाएगा।

टिप्पणी :— परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त जिस उम्मीदवार ने उपर्युक्त निर्धारित आधार पर टंकण परीक्षा पहले ही पास की हो या जो अपनी नियुक्ति के 6 मास के भीतर टंकण परीक्षा पास कर लेता उसे पहली वेतन वृद्धि एक वर्ष के बजाए छः महीने के बाद ही दी जाएगी, परन्तु इसे बाद में नियमित वेतन वृद्धियों में समाविष्ट कर लिया जाएगा।

12. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद अथवा परीक्षा में बैठने के बाद अपने ग्रुप "ब" पद की नियुक्ति से त्याग-पत्र दे देता है अथवा और किसी कारणवश नौकरी छोड़ देता है अथवा उससे सम्बन्ध बिच्छेद कर लेता है अथवा उसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है अथवा वह किसी संवर्ग बाह्य पद पर अथवा किसी अन्य सेवा में स्थानांतरण पर नियुक्त हो जाता है और ग्रुप "ब" पद पर उसका पुनः ग्रहणाधिकार नहीं रहता है तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस ग्रुप "ब" कर्मचारी के मामले में लागू नहीं होगी, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

डा० रविन्द्र सिंह,
उप सचिव

परिशिष्ट II

परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी :—

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र सं.	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1.	सधु निबन्ध	100	1½ घंटा
2.	सामान्य अंग्रेजी	50	1 घंटा
3.	भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान	50	1 घंटा

2. परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में बताया गया है।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्न-पत्र—I या प्रश्न-पत्र—III या दोनों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि) में किसी में दें। प्रश्न-पत्र II के उत्तर सब उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए।

टिप्पणी : 1 प्रश्न पत्र—III में छूट पूरे प्रश्न-पत्र के लिए होगी, इस प्रश्न पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिए नहीं।

टिप्पणी : 2 उपर्युक्त परीक्षा के प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना हस्ताक्षर आवेदन पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अथवा यह समझा जाएगा कि वे प्रश्न-पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में देंगे।

टिप्पणी : 3 एक बार चुका हुआ विकल्प अंतिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुसूच साधारण तथा स्वीकार न होगा।

टिप्पणी : 4 उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के सिवाय किसी अन्य भाषा में उत्तर देने पर कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

4. उम्मीदवारों को भी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

6. केवल छिछने ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. अस्पष्ट लिखावट के लिए पूर्णांक के 5 प्रतिशत अंक काट लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में कमबद्ध प्रभावपूर्ण ढंग से ठीक-ठीक की गई अभिव्यक्ति के लिए अंक दिए जाएंगे।

अनुसूची

प्रादुर्भाव

प्रश्नपत्र : 1 लघु निबन्ध—दिए गए कई विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखना होगा।

प्रश्नपत्र : 2 सामान्य श्रेणी—उम्मीदवारों की साधारण बंध रचना व्यावहारिक व्याकरण तथा प्रारम्भिक सारणीकरण (आंकड़ों को संकलित करने तथा सारणी के रूप में उन्हें व्यवस्थित और प्रस्तुत करने की कला में उम्मीदवारों की योग्यता जांचने के लिए) में परीक्षा ली जाएगी।

प्रश्नपत्र : 3 भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान :—

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन वृद्धि भोज्य होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव जिनको किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो, आशा की जा सकती है। इस पत्र में भारत के भूगोल से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 21st February 1991

No. 26-Pres/91.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :

Name and rank of the officer

Shri Tirath Ram (Posthumous)

Subedar No. 66477061
29 Battalion,
Border Security Force.

Statement of service for which the decoration has been awarded:

On receipt of information regarding the presence of extremists in Mand area, Commandant of 29 Battalion, Border Security Force detailed Sub-Inspector Goru Ram and Subedar Tirath Ram to take a petrol party to apprehend Nimma Majbi a suspect associate of extremists, resident of village Dhun of Tarn Taran. Subedar Tirath Ram alongwith Sub-Inspector Goru Ram, Constable Driver M. E. George and 3 other Constables rushed to village Dhun to apprehend Nimma. Nimma was not found in his house and on way back to Border Security Force post Ahli Kalan from village Dhun, the party went to village Hazipur for collection of latest information from an informer.

On 28th June, 1989 at about 9.30 P.M. the jeep carrying the Border Security Force party reached near village Hazipur Bulle to Ahli Kalan, the driver slowed down the vehicle to negotiate a badly damaged patch of the road on dhruvi Band which is about 10 feet high. The extremists hiding in bushes on the road side started firing from sophisticated weapons. The first burst fired by extremists pierced through the legs near knee-joints from left side seriously injuring Subedar Tirath Ram and Sub-Inspector Goru Ram both sitting with the driver. Constable (Driver) George was also hit by a bullet on his right ear and he lost control over the jeep as the front left wheel was deflated and the diesel pump was also damaged by the bullets. Driver George controlled the jeep by applying brakes and turned the jeep towards right side allowing the jeep to skid to avoid injuries to other occupants. Subedar Tirath Ram, who was profusely bleeding started firing on the extremists and asked a Constable to tie a towel on his wounded legs. He kept on firing on the extremists and also directed other members of the party to be judicious in using

2—481GI/90

the ammunition so that it is not exhausted. Subedar Tirath Ram also passed on the information about the ambush by photo phone to Company Headquarter at Sultanpur Lodhi and asked for reinforcement. He kept on firing with his carbine exercising his command on fire control of his men till he fell unconscious. Sub-Inspector Goru Ram, who was also seriously injured on his leg by the bullets of the extremists, continued firing on the extremists till he also fell unconscious. Constable/Driver George then took the carbine of Sub-Inspector Goru Ram, when he became unconscious and started firing on the extremists.

On hearing the sound of firing, Border Security Force post at Ahli Kalan immediately sent a petrol party towards the direction of firing. They reached the spot and evacuated Shri Tirath Ram, Shri Goru Ram and Shri M. E. George to Civil Hospital, Sultanpur Lodhi. Subsequently Shri Tirath Ram and Shri Goru Ram succumbed to their injuries in the Hospital. The extremists taking advantage of darkness and bushes manage to escape.

In this encounter Shri Tirath Ram, Subedar, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 28th June, 1989.

No. 27-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force :

Names and rank of the officers

Shri Goru Ram (Posthumous)
Sub-Inspector, No. 66104115,
29 Battalion,
Border Security Force.

Shri M. E. George
Constable No. 85788060,
29 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded :

On receipt of information regarding the presence of extremists in Mand area, Commandant of 29 Battalion, Border Security Force, detailed Sub-Inspector Goru Ram and Subedar Tirath Ram to take a petrol party to apprehend Nimma Majbi a suspect associate of extremists, resident of village Dhun of Tarn Taran. Subedar Tirath Ram alongwith Sub Inspector Goru Ram, Constable Driver M. E. George and 3 other Constables rushed to village Dhun to apprehend Nimma. Nimma was not found in his house and on way back to Border Security Force post Ahli Kalan from village Dhun, the party went to village Hazipur for collection of latest information from an informer.

On 28th June, 1989 at about 9.30 P.M. the jeep carrying the Border Security Force party reached near village Hazipur Bulle to Ahli Kalan, the driver slowed down the vehicle to negotiate a badly damaged patch of the road on dhusi Band which is about 10 feet high. The extremists hiding in bushes on the road side started firing from sophisticated weapons. The first burst fired by extremists pierced through the legs near knee-joints from left side seriously injuring Subedar Tirath Ram and Sub-Inspector Goru Ram both sitting with the driver. Constable (Driver) George was also hit by a bullet on his right ear and he lost control over the jeep as the front left wheel was deflated and the diesel pump was also damaged by the bullets. Driver George controlled the jeep by applying brakes and turned the jeep towards right side allowing the jeep to skid to avoid injuries to other occupants. Subedar Tirath Ram, who was profusely bleeding started firing on the extremists and asked a constable to tie a towel on his wounded legs. He kept on firing on the extremists and also directed other members of the party to be judicious in using the ammunition so that it is not exhausted. Subedar Tirath Ram also passed on the information about the ambush by photo phone to Company Headquarter at Sultanpur Lodhi and asked for reinforcement. He kept on firing with his carbine exercising his command on fire control of his men till he fell unconscious. Sub-Inspector Goru Ram, who was also seriously injured on his leg by the bullets of the extremists, continued firing on the extremists till he also fell unconscious. Constable/Driver George then took the carbine of Sub-Inspector Goru Ram, when he became unconscious and started firing on the extremists.

On hearing the sound of firing, BSF post at Ahli Kalan immediately sent a petrol party towards the direction of firing. They reached the spot and evacuated Shri Tirath Ram, Shri Goru Ram and Shri M.E. George to Civil Hospital, Sultanpur Lodhi. Subsequently Shri Tirath Ram and Shri Goru Ram succumbed to their injuries in the Hospital. The extremists taking advantage of darkness and bushes managed to escape.

In this encounter Shri Goru Ram, Sub-Inspector and Shri M.E. George, Constable, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from 28th June, 1989.

No. 28-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :

Names and rank of the officers

Shri Bajender Singh,
Constable No. 873622644,
113 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded :

On the intervening night of 20th/21st January, 1990, at about 0245 hours movements of some intruders were noticed by Commander of Naka No. 6 at Chak Amira Post, Police

Station Fazilka. He immediately alerted his men and the adjoining Nakas and flashed the search light to locate the intruder and observed that three extremists ran to hide themselves in the wheat crop. On being observed, the intruders opened fire on the Naka party. Naka party also opened fire on the intruders in self defence. At the same time Pak Rangers also started firing from across the border on the Naka party to support the intruders. In the process two intruders managed to escape to Pakistan taking advantage of darkness but the third intruder took position in the Indian Territory in the wheat firing on both the naka parties, thus the naka parties were trapped between the cross-firing from the Pak Rangers and the intruder, who took position in the wheat field.

In the meantime, Constable Bajender Singh assessed the situation and to overcome the situation of his men being trapped in cross firing, he started crawling and reached near the position of the intruder. He fired on the intruder and injured him. In spite of this, the injured intruder was able to fire on the naka party. The exchange of fire continued intermittently from both sides till 0545 hours. Ultimately, the extremist was killed by Constable Bajender Singh. The dead extremist was later identified as Mohinder Singh alias Mindri.

In this encounter Shri Bajender Singh, Constable, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5, with effect from 21st January, 1990.

No. 29-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force.

Name and rank of the Officers

Shri M. S. Chauhan,
Deputy Commandant,
46 Battalion,
Border Security Force.

Shri Sharam Singh,
Subedar No. 66010109,
Border Security Force 'G' Team,
Amritsar.

Shri Lal Din,
Head Constable No. 66466236,
46 Battalion,
Border Security Force.

Shri Dalbir Singh,
Constable No. 83021009,
46 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the intervening night of 25th/26th October, 1989, a specific information was received that a group of terrorists will infiltrate into India from Pak side. Four special naka parties were formed to intercept the intruders.

On 25th October, 1989, at about 10.00 PM two intruders were seen coming from Pak side between two naka positions. When they reached about 20-25 metres from the naka parties, they were challenged to surrender but the intruders immediately laid down on the ground and started firing on the naka parties. Shri M. S. Chauhan, Deputy Commandant, 46 Battalion, Border Security Force, directed his party members to return the fire. The well trained terrorists made good use of undulating ground and thick sarkanda growth and returned the fire from their assault rifles. The exchange of fire continued for about one hour. After that there was lull in this firing from the extremists side. It appeared that all was over and

presumably terrorists have been inflicted fatal casualties. Shri M. S. Chauhan alongwith Inspector Sharam Singh, and Head Constable Lal Din went towards the terrorists, who was firing from the right side. They took the initiative at great risk to their lives and went near the terrorist. When they were 10-15 feet away from the terrorist, they were fired upon by the terrorist, who was presumed to be dead. Shri M. S. Chauhan, Shri Sharam Singh and Shri Lal Din simultaneously fired on the terrorist and shot him dead.

In the meantime, Constable Dalbir Singh who was in the other naka party, alongwith other members of the naka party advanced towards the second terrorist, who was firing from the left side. When they reached near the terrorist, he started firing on the naka party. Constable Dalbir Singh took the initiative and advanced towards the terrorist, who was continuously firing on the naka party, he fired at the terrorist with his carbine and shot him dead. Both the dead terrorists were later identified as Dalminder Singh and Gurdeep Singh.

In this encounter Shri M. S. Chauhan, Deputy Commandant, Shri Sharam Singh, Subedar, Shri Lal Din, Head Constable and Shri Dalbir Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th October, 1989.

No. 30-Pres/91.—The President is pleased toward the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force.

Name and rank of the Officers

Shri Gour Chand Dam (Posthumous)
Lance Naik No. 70711006,
69 Battalion,
Border Security Force.

Shri Ravan Kumar, (Posthumous)
Constable No. 87005283,
69 Battalion,
Border Security Force.

Shri Vellayan Sami Raju,
Constable No. 84102232,
69 Battalion,
Border Security Force.

Shri Keshar Singh,
Constable No. 87332500,
69 Battalion,
Border Security Force.

Shri Mohan Singh,
Constable No. 86322293,
69 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the intervening night of 6th/7th September, 1989, at about 7.00 PM a naka party consisting of one Head Constable, Lance Naik Gour Chand Dam, Constables Ravan Kumar, V. S. Raju, Keshar Singh and Mohan Singh left the Border Out Post T. J. Singh to occupy the naka position on the bridge on D.C.B. leading to village T. J. Singh. At about 7.50 PM when the naka party just crossed the bridge, they were fired upon by the extremists with automatic weapons. At this time Shri Gour Chand Dam and Shri Ravan Kumar were leading the naka party. Though both were seriously injured and bleeding profusely yet they continuously engaged the extremists till they succumbed to their injuries.

Shri V. S. Raju and Shri Keshar Singh, who were following the leading party also sustained bullet injuries in their abdomens but they kept their nerves cool and immediately fired on the extremists with their SLRs. They kept the extremists engaged and prevented them from

resorting to aimed fire on the naka party. Constable Mohan Singh, who was also following the leading party, on hearing the sound of fire, took position by the side of the bridge and kept the extremists engaged with effective fire from his SLR. As a result the extremists could not hold back and escaped in darkness. Both the injured Constables were rushed to SGTB Hospital, Amritsar for treatment.

In this encounter Shri Gour Chand Dam, Lance Naik, Shri Ravan Kumar, Constable, Shri Vellayan Sami Raju, Shri Keshar Singh and Shri Mohan Singh, Constables displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with it special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th September, 1989.

No. 31-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force.

Name and rank of the Officer

Shri Lavkesh Bahadur Singh,
Constable No. 87001399,
73 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the intervening night of 7th/8th February, 1989, a naka party of Border Out Post Bhagsar of 73 Battalion, Border Security Force consisting of three Constables and one volunteer of Home Guards (including Constable Lavkesh Bahadur Singh) laid naka at about 250 yards inside Indian territory from the International Border. At about 1.35 AM on 8th February, 1989, Constable Lavkesh Bahadur Singh, who was on duty at that time, sensed some movement towards him through mustard fields nearby. It was a pitch dark night, visibility was very poor. Shri Lavkesh Bahadur Singh maintaining him calm, kept his eyes and ears fixed towards the movement till he saw the silhouette of a person coming towards him. He challenged the intruder to stop and disclose his identity, but the intruder immediately fired one shot on him, which went almost grazing his head. This did not scare Constable Lavkesh Bahadur Singh and he fired one round from his rifle which hit the miscreant on his left hand. In the meanwhile, the intruder jumped to safety. Without caring for his personal safety he moved ahead to locate the intruder and chased the intruder even while he was fired upon. He fired another bullet at the intruder which hit him and he died on the spot. On investigation, the intruder turned out to be a well trained Pak spy.

In this encounter Shri Lavkesh Bahadur Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 8th February, 1989.

A. K. UPADHYAY, Director

LOK SABHA SECRETARIAT

(SCIENCE & TECHNOLOGY COMMITTEE BRANCH)

New Delhi-110001, the 23rd January 1991

No. 6/3/STC/91.—The Speaker has appointed Shri Madhavrao Scindia, M.P. as Chairman of the Committee on Science & Technology (1990-91) vice Dr. Shakeelur Rehman ceased to be a member and Chairman of the Committee on his appointment as a Minister.

No. 6/3/STC/91.—The Speaker has nominated Shri Bal Gopal Mishra, M.P. to be a Member of the Committee on Science & Technology *vice* Dr. Shakeelur Rehman ceased to be a member of the Committee on his appointment as a Minister.

J. G. RAMCHANDANI, Jt. Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 14th January 1991

CORRIGENDUM

No. U-13019/1/90-ANL.—In this Ministry's notification of even number dated the 15th October, 1990, the name Captain (Reid.) Payara Singh appearing at no. (V) may be read as Smt. Y. Gandhi.

PARKASH CHANDER, Director (CPS)

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 23rd January 1991

RESOLUTION

No. 6/4/90-EPZ.—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated the 12th June, 1990 the Government of India hereby includes a representative of the Indian Chambers of Commerce, Calcutta as a member of the Advisory Committee of Falta Export Processing Zone.

Conditions concerning the member will be the same as mentioned in Resolution of even number dated the 12th June, 1990.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and Government of West Bengal.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

JAWAHAR SIRCAR, Director

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE)

New Delhi-110003, the 5th February 1991

ADDENDUM

No. 6-4/89-WL-I.—In this Ministry's Resolution No. 6-4/89-WL-I dated 28-1-1991 regarding reconstitution of Indian Board of Wildlife, the following may be read at S. No. 11 (a)

S. No. 11(a) Member—Chairperson, Beauty Without Cruelty,

R. RAJAMANI, Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 30th January 1991

RESOLUTION

No. F. 3-27/84-CH.5.—In partial modification of this Department's Resolution No. F. 3-27/84-CH.5 dated the 12th September, 1985, the following member may be substituted by

the name indicated below on the Advisory Committee of the National Museum, New Delhi.

S. No. Existing Member Member who would substitute

8. Shri Ranjit Singh Gaekwad Shri Kapil Dev Shastri,
Member Parliament, Lok Sabha.

ORDER

ORDERED that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. C. TRIPATHI, Jt. Secy.

MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. & PENSIONS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

New Delhi-1, the 9th March 1991

Clerks' Grade Examination (For Group D Staff) 1991

RULES

No. 9/2/91-CS.II.—The Rules for qualifying examination viz., Clerks' Grade Examination (for Group D Staff) 1991, to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel & Training in 1991, for the purpose of filling temporary vacancies reserved for regularly appointed Group D Staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, the Armed Forces Headquarters Clerical Service, Grade VI of the Indian Foreign Service Branch (B) and posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, are published for general information.

The candidates who are admitted to the examination will be eligible for vacancies.

- (i) in the Central Secretariat Clerical Service, if they are working in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service.
- (ii) in the Armed Forces Headquarters Clerical Service if they are employed in the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisation;
- (iii) in Grade VI of the IFS(B), if they are employed in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad; and
- (iv) in posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the advertisements to be issued by the Commission.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix to these rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Any permanent or regularly appointed temporary Group D employee who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination :—

Length of Service : He should have rendered on 1st August, 1991, not less than 5 years of approved and continuous service as a Group D employee or in any higher Grade in Ministries/Office participating in (i) the Central Secretariat Clerical Service; or

(ii) Armed Forces Headquarters and/or Inter-Services Organisation, or (iii) in the Ministry of External Affairs or its Missions abroad, or (iv) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE : (1) The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of the candidates is partly as a Group D employee in any Ministry or Office participating in the Central Secretariat Clerical Service or in the Office participating in the Armed

Forces Headquarters Clerical Service and partly elsewhere in equivalent or higher grade or as Group D employee in the Ministry of External Affairs and its Missions abroad or in posts of LDC in the Department of Parliamentary Affairs.

NOTE : (2) Group D employees who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. A Group D employee who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and continuous to have a lien on a Group D posts for the time being will also be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

II. Age : He should not be more than 50 years of age as on 1st August, 1991 i.e. he must not have been born earlier than 2nd August, 1941.

The age limit prescribed above will be relaxable upto a maximum of 5 years if a candidate belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

III. Educational Qualifications : Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School. High School or any other certificate which is accepted by the Government of that State/ Government of India as equivalent to matriculation certificate for entry into service.

NOTE (1) : A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination, will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE (2) : In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of Government justifies his admission to the examination.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means, in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (ix) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (x) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificates permitting them to take the examination, or

- (xi) attempting to commit, or as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them, and
 - (ii) by the Central Government from any employment under them, and
- (c) Disciplinary action under appropriate rules.

8. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

9. After the examination, the Commission will recommend separately to each cadre authority concerned participating in the examination the names of candidates, who have attained the qualifying standard, which will be determined at the discretion of the Commission. The names of the candidates who are considered by the Staff Selection Commission to be suitable for appointment on the results of the examination shall be arranged in a single list on the basis of their seniority in the parent Group D post. The employees holding posts in higher grade will rank senior to those in the lower grade. The Cadre Authorities shall take steps to appoint them against vacancies decided to be filled in accordance with the rules/regulations framed by them in this regard.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed, only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE :—In the case of the disabled ex-defence Service Personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of an appointment.

11. All appointments on the results of this examination shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission, or Staff Selection Commission, he shall pass such a test at minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute to be held by the authority designated by the Government for the purpose within a period of one year from the date of appointment, failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test.

If any candidate does not pass the said typewriting test within the period of probation, he is liable to be reverted to his substantive appointment or temporary post held by him before his appointment to Lower Division Grade.

NOTE : A candidate appointed on the results of the examination who has already passed the typewriting test as prescribed above or who passes it within a period of 6 months from the date of his appointment will be granted the first increment after 6 months instead of one year's service. This will, however, be absorbed in the subsequent regular increment.

12. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment as a Group D employee or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated

by this Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien on a Group D post will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a Group D employee who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

DR. RAVENDRA SINGH, Dy. Secy.

APPENDIX

The examination will be conducted according to the following scheme :—

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum marks	Time allowed
I.	Short Essay	100	1½ hours
II.	General English	50	1 hour
III.	General Knowledge (including Geography of India)	50	1 hour

2. The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule to the Appendix.

3. The candidates are allowed the option to Answer Paper I or Paper III or both either in Hindi, (in Devnagiri Script) or in English. Paper II must be answered in English by all candidates.

NOTE 1 : The option for Paper III will be for the complete paper and not for different questions in it.

NOTE 2 : Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers of the examination in Hindi (in Devanagiri Script) should indicate their intention to do so in their applications. Otherwise, it would be presumed that they would answer the paper in English.

NOTE 3 : The option once exercised will be final and no request for change of option will ordinarily be entertained.

NOTE 4 : No credit will be given for answers written in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subject of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5% of the maximum marks will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expressions combined with due economy of words in all subjects of examination.

SCHEDULE

SYLLABUS

PAPER I : Short Essay

An essay to be written on any one of the several specified subjects.

PAPER II : General English

Candidates will be tested in simple composition, applied Grammar and Elementary Tabulation (to test candidates' ability in the art of compiling arranging and presenting data in a tabular form).

PAPER III : General Knowledge (including Geography of India)

Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of an scientific subject. The paper will include questions of Geography of India.